भारत सरकार

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1426

उत्तर देने की तारीख : 31.07.2024

आंध्र प्रदेश में उस्ताद योजना

1426. श्री मगुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डी:
श्री बस्तीपति नागराजू:

क्या **अल्पसंख्यक कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उस्ताद योजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश में चिन्हित क्राफ्ट कलस्टरों का ब्यौरा क्या है और प्रत्येक कलस्टर में किन विशिष्ट परम्परागत कलाओं तथा क्राफ्टों को प्रलेखित और प्रोत्साहित किया गया है;

(ख) आंध्र प्रदेश में पिछले पांच वर्षों के दौरान उस्ताद योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित अल्पसंख्यक युवाओं की संख्या के बारे में जिले-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) उस्ताद योजना के अंतर्गत विकास के लिए, आंध्र प्रदेश से प्राप्त परियोजना प्रस्तावों की कुल संख्या तथा अनुमोदित संख्या और वर्तमान में उनके कार्यान्वयन की स्थिति से संबंधित ब्यौरा क्या है;

(घ) आंध्र प्रदेश में पिछले पांच वर्षों के दौरान परियोजनाओं के लिए उस्ताद योजना के अंतर्गत आवंटित और उपयोग की गई निधि संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) आंध्र प्रदेश में पिछले पांच वर्षों के दौरान उस्ताद योजना के अंतर्गत पारंपरिक कला और क्राफ्ट के लिए बाजार संपर्क बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा की गई पहल का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री

(श्री किरेन रिजिजू)

(क) से (घ): उस्ताद योजना को अल्पसंख्यक समुदायों के लिए 'प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन' (पीएम विकास) नामक एक एकीकृत योजना के घटक के रूप में एकीकृत किया गया है, जो कौशल विकास, अल्पसंख्यक महिलाओं की उद्यमिता और नेतृत्व; और स्कूल ड्रॉपआउट के लिए शिक्षा सहायता पर ध्यान केंद्रित करता है। कुशल शिल्पकारों/कारीगरों के लक्षित क्षमता निर्माण और पारंपरिक कौशल को उन्नत करने के लिए 2015 में उस्ताद योजना शुरू की गई थी। इस योजना के तहत, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने अभिज्ञात पारंपरिक कला और शिल्प समूहों के लिए डिजाइन और विकास कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान और राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी जैसे प्रतिष्ठित ज्ञान भागीदारों को शामिल किया। आंध्र प्रदेश में, दो ऐसे समूह उक्त योजना के तहत शामिल किए गए थे, नामत:

i. लकड़ी की कटलरी - उदयगिरि, आंध्र प्रदेश
ii. चमड़े की कठपुतली - निम्मलकुंटा, आंध्र प्रदेश

चार परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों (PIA) के परियोजना प्रस्तावों को अनुमोदित किया गया और ज़री ज़रदोज़ी, मिट्टी के मूर्तिकार और अन्य जैसे समूहों में उस्ताद योजना के तहत आंध्र प्रदेश से 360 लाभार्थियों को आवंटित किया गया।

(ङ) मंत्रालय ने पूर्व में 41 हुनर हाट आयोजित किए थे जिसके माध्यम से देश भर के कारीगरों/शिल्पकारों और पाककला विशेषज्ञों को अपने हस्तशिल्प और स्वदेशी उत्पादों का प्रदर्शन और विपणन करने का अवसर दिया गया। इन कार्यक्रमों से कारीगरों, शिल्पकारों और संबद्ध व्यक्तियों के लिए 8 लाख से अधिक रोजगार तथा रोजगार के अवसर सृजित हुए। वर्तमान में, मंत्रालय द्वारा 16 से 31 जुलाई, 2024 तक दिल्ली हाट, आईएनए (नई दिल्ली) में लोक संवर्धन पर्व का आयोजन जिसमें आंध्र प्रदेश सहित पूरे भारत के कारीगरों ने भाग लिया, के माध्यम से उन्हें अपने कार्य-संचालन और व्यवसाय को बढ़ाने में सहायता प्रदान की गई।

*****